

## **MA HINDI LANGUAGE AND LITERATURE-SEM-I**

### **Assignment Topics Maximum Marks-15**

#### **HL-1101-ANCIENT POETRY-EARLY AND RITI PERIODS(प्राचीन काव्य:आदिकाल और रीतिकाल)**

1.पृथ्विराज रासो की प्रामाणिकता और अप्रामाणिकता के संबन्ध में विद्वानों के विभिन्न मत प्रकट करके उसकी मुख्य प्रवृत्तियों पर विचार कीजिए।

या

रीतिकाल के सामाजिक एवं राजनैतिक परिस्थितियों पर विचार करते हुए रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

#### **HL-1102 NOVEL-AND SHORT STORY(उपन्यास और कहानी)**

2.हिन्दी कहानी की विकास-यात्रा पर विस्तार से विचार कीजिए।

या

समयसरगम उपन्यास में अभिव्यक्त समस्याओं का उल्लेख करते हुए वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इसकी प्रासंगिकता पर विचार कीजिए।

#### **HL-1103 HISTORY OF HINDI LITERATURE:EARLY AND MEDIEVALPERIODS**

##### **हिन्दी साहित्य का इतिहास:आदिकाल और मध्यकाल**

3.हिन्दी साहित्येतिहास के काल विभाजन के आधार और उसके नामकरण की समस्याओं पर विस्तार से विचार कीजिए।

या

हिन्दी साहित्य को भक्तिकाल की देन पर विचार कीजिए।

#### **HL-1104-INDIAN AND WESTERN LITERARY THOUGHTS(भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र)**

4.भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख आचार्य एवं उनके सिद्धांतों का विस्तार से विवेचन कीजिए

या

लॉजाइनस और क्रोचे के सिद्धांतों पर विचार कीजिए

**Case Study-Topics**

**Maximum Marks-10**

**HL-1101-ANCIENT POETRY-EARLY AND RITI PERIODS (प्राचीन काव्य: आदिकाल और रीतिकाल)**

1. रासो काव्य परंपरा का परिचय देते हुए पृथ्वीराज रासो के महत्व को समझाईये ।

अथवा

बिहारी का वैयक्तिक एवं रचनात्मक परिचय देकर उनके नीतिपरक दोहों पर विचार कीजिये।

**HL-1102 NOVEL AND SHORT STORY(उपन्यास और कहानी)**

2. सेवासदन में अभिव्यक्त सामाजिक समस्याओं पर विचार कीजिये।

अथवा

कहानी के तत्वों के आधार पर पठित किसी एक कहानी की समीक्षा कीजिये।

**HL-1103 HISTORY OF HINDI LITERATURE:EARLY AND MEDIEVAL PERIODS(हिन्दी साहित्य का इतिहास -आदिकाल और मध्यकाल )**

3. संत काव्य परंपरा के प्रमुख कवियों पर विचार कीजिये।

अथवा

प्रेमाख्यान कव्य परंपरा की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

**HL-1104-INDIAN AND WESTERN LITERARY THOUGHTS(भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र)**

4. अरस्तु और प्लेटो के काव्यसिद्धांतों का तुलनात्मक परिचय दीजिये।

अथवा

आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना पद्धति पर विचार कीजिए।